1101 880/07 13

भारतीय गैर न्यायिक

Rs 20000 रु. Rs 20000 रु.

बीस हज़ार रुपये
RUPEES
20000
रुपये

सत्यमेव जयते

Rs 20000 रु. INDIA NON JUDICIAL Rs 20000 रु.

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH 232162

10 JAN 2007
A.T.O./T.O.
TRY. LKO.

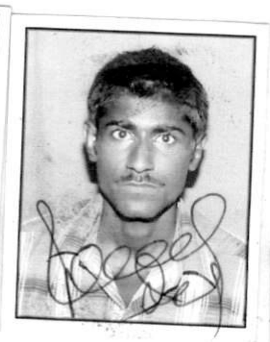

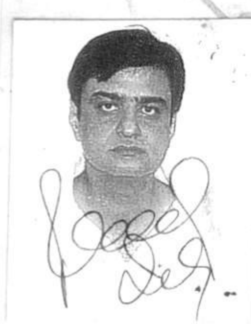

विक्रय मूल्य –रू0 3,15,000/–
मालियत –रू0 3,13,250/–
स्टाम्प –रू0 31,500/–
परगना – लखनऊ

विक्रय विलेख

1. भूमि का प्रकार – कृषि
2. परगना – लखनऊ
3. मोहल्ला/ग्राम – घैला
4. सम्पत्ति का विवरण–आराजी खसरा संख्या–236

--------2

Arif Zamir Farooqi

आदर्श कोषागार, लखनऊ

दिनांक ....

मूल्य .... जनरल स्टाम्प

नाम ....

द्वारा ....

सहा० रोकड़िया मुख्य रोकड़िया

भारतीय गैर न्यायिक

10000 रु. Rs.10000

दस हज़ार रुपये

RUPEES TEN THOUSAND

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

06AA 391258

(2)

5. मापन की इकाई –हेक्टेअर
6. सम्पत्ति का क्षेत्रफल–0.1790 हेक्टेअर
7. सड़क की स्थिति–(परिशिष्ट के अनुसार)– X
8. अन्य विवरण (9 मीटर रोड/कार्नर इत्यादि)– X
9. सम्पत्ति का प्रकार :– कृषि भूमि
10. पेड़ों का मूल्यांकन – X
11. बोरिंग/कुआं/अन्य – X
12. निर्माण का वर्ष – X
13. सहकारी आवास समिति के सदस्य से सम्बन्धित है– नहीं
14. प्रतिफल की धनराशि 3,15,000/– रूपये

चौहद्दी

पूरब	:	भूमि खसरा संख्या–234
पश्चिम	:	भूमि खसरा संख्या–226
उत्तर	:	भूमि खसरा संख्या–235
दक्षिण	:	भूमि खसरा संख्या–237

प्रथम पक्ष की संख्या (4) द्वितीय पक्ष की संख्या (1)

-------3

Arif Zamin Faroogi

आदर्श कोषागार, लखनऊ

दिनांक ....

मूल्य .... 10000/- जनरल स्टाम्प

नाम ....

द्वारा ....

सहा. रोकड़िया मुख्य रोकड़िया

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

रु.1000 Rs.1000

सत्यमेव जयते

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 629439

1 9 JAN 200

A.T.O/T.O.
TRY.LKO.

(3)

विक्रेतागण का विवरण

(1) सुरेश उर्फ शेष, (2) कमल उर्फ गमल, (3) अर्जुन पुत्रगण श्री पूरन
(4) श्रीमती मंगाला पत्नी श्री पूरन
स्थायी व अस्थायी निवासीगण–मजरा–मानखेड़ा, ग्राम धैला, लखनऊ।
व्यवसाय–कृषि

क्रेता का विवरण

श्री आरिफ जमीर फारूकी
पुत्र श्री जमीर मोहम्मद फारूकी
निवासी 24, न्यू बेरी रोड, लखनऊ
व्यवसाय–व्यापार

हमकि (1) सुरेश उर्फ शेष (2) कमल उर्फ गमल (3) अर्जुन पुत्रगण श्री पूरन (4) श्रीमती मंगाला पत्नी श्री

-------4

Arif Zamir Farooqi

आदर्श कोषागार, लखनऊ

दिनांक ....

मूल्य .... जनरल स्टाम्प

नाम ....

द्वारा ....

सहा० रोकड़िया मूल्य रोकड़िया

500Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु.

Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

27 DEC 2006
A.T.O/T.O.
TRY.LKO.

पूरन स्थायी व अस्थायी निवासीगण–मजरा–मानखेड़ा, ग्राम–धैला, लखनऊ के हैं :–

जो कि हम विक्रेतागण भूमिधरी आराजी **खसरा संख्या–236 क्षेत्रफल 0.1790 हेक्टयर स्थित ग्राम–धैला, परगना, तहसील व जिला लखनऊ,** के मालिक कामिल व काबिज हैं। उक्त सम्पत्ति हमारी पैतृक सम्पत्ति है, जो सरकारी अभिलेखों में हमारे नाम दर्ज है। उक्त आराजी हर प्रकार के विवादों, भारों, अजकिस्म, रेहन, बंधक, इकरार, कुर्की, जमानत, हिबा आदि से पूर्णतया बरी व पाक–साफ है जिसको विक्रय करने का पूर्ण मालिकाना अधिकार विक्रेतागण को प्राप्त है। चूंकि हमें रूपयों की सख्त आवश्यकता है अतः अपनी–अपनी

-------5

Arif Zamin Farooqi

आदर्श कोषागार, लखनऊ

दिनांक ....

मूल्य .... जनरल स्टाम्प

नाम ....

द्वारा ....

सहा० रोकड़िया

मुख्य रोकड़िया

राजी खुशी से बिना किसी जोर दबाव नाजायज के बजरूरत होशो हवास में उपरोक्त वर्णित आराजी नम्बरी व पैमाइशी को बकीमती मु0 **रूपया– 3,15,000/– (तीन लाख पन्द्रह हजार रूपया मात्र)** जिसके आधे **रूपया–1,57,500/– (एक लाख सत्तावन हजार पॉच सौ रूपया मात्र)** होते हैं, में बदस्त क्रेता **श्री आरिफ जमीर फारूकी पुत्र श्री जमीर मोहम्मद फारूकी निवासी 24, न्यू बेरी रोड, लखनऊ** के पक्ष में बय फरोख्त कतई किया यानि बेच दिया और कुल जरसमन हस्ब तफसील जैल क्रेता से वसूल पाकर कब्जा दखल मालिकाना अपने ही समान क्रेता उपरोक्त का बखूबी करा दिया। अब आज की तारीख के बाद से हमारा या हमारे किसी वारिसान व कायम मुकामान का कोई हक या हिस्सा व दावा उक्त विक्रीत भूमि या उसके विक्रय मूल्य के संबंध में किसी प्रकार का बाकी नहीं रहा। अगर कोई व्यक्ति विक्रीत भूमि या उसके विक्रय मूल्य के संबंध में क्रेता उपरोक्त से अपना हक जतावे या दावा करे तो दावा उसका इस बैनामें के समक्ष बिल्कुल नाजायज व शून्य होगा और अगर किसी व्यक्ति की दावेदारी या उज्रदारी या हकदारी से विक्रीत भूमि का कुल या जुज भाग क्रेता उपरोक्त के कब्जे से किसी भी समय निकल जावे या कब्जा न मिले, मिल्कियत या हकीयत विक्रेतागण की करार न पाई जाए, या अन्य किसी प्रकार से उपरोक्त भूमि के कागजात विवादित अथवा भार ग्रसित निकले तो ऐसी तमाम सूरतों में क्रेता उपरोक्त को हक व अधिकार होगा कि वह अपने द्वारा दिया गया कुल रूपया मय हर्जा व खर्चा व नुकसान सहित हमसे व हमारे वारिसान व कायम मुकामान की अन्य चल व अचल सम्पत्ति से न्यायालय द्वारा वसूल कर लेवे कोई मुकाम उज्रका न होगा।

Arif Zami Faruqi

------ 6

विक्रेतागण अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं हैं। बयशुदा आराजी लखनऊ नगर निगम सीमा के बाहर स्थित है किन्तु उक्त भूमि अर्द्धनगरीय क्षेत्र के अतिविशिष्ट ग्राम की भूमि है। उक्त ग्राम की भूमि की मालियत श्रीमान् जिलाधिकारी महोदय, लखनऊ द्वारा **रूपया 17,50,000/–** प्रति हेक्टेअर की दर निर्धारित है, जिसके अनुसार विक्रीत भूमि की कुल बाजारू मालियत **मु0 3,13,250/–** होती है, जो कि विक्रय मूल्य से कम है। अतः विक्रय मूल्य पर नियमानुसार मु0 **रूपया 31,500/–** का स्टाम्प शुल्क अदा किया गया है। विक्रीत आराजी 30 फुट चौड़े मार्ग, लिंक मार्ग, राजमार्ग, जनपदीय मार्ग पर स्थित नहीं है तथा बयशुदा आराजी उ0प्र0 आवास विकास परिषद या लखनऊ विकास प्राधिकरण की योजना में अधिग्रहीत नहीं है और न ही प्रस्तावित है। विक्रीत भूमि के बाबत कोई भी पंजीकृत इकरार नामा बय क्रेता व विक्रेतागण के बीच नहीं हुआ है। उक्त आराजी सीतापुर रोड से हरदोई रोड से मिलाने वाली रिंग रोड से 100 मीटर से अधिक दूरी पर है।

आराजी बयशुदा में कोई भी निर्माण कच्चा या पक्का नहीं है व उपरोक्त भूमि पर कोई बाग–बगीचा, पेड़, ट्यूबवेल, कुआं आदि नहीं है तथा आराजी बयशुदा कृषि है तथा वर्तमान में कृषि हो रही है व कागजात सरकारी में कृषि दर्ज है। विक्रेतागण व क्रेता का स्थायी व अस्थायी पता उपरोक्तानुसार है।

लिहाजा यह **बैनामा** रूबरू गवाहान खूब सोच समझ कर बिना किसी जोर दबाव नाजायज के बदुरूस्त होशोहवास व स्वस्थ चित्त मन से विक्रेता ने क्रेता के पक्ष में निष्पादित कर

Arif Zamin Farooqi

दिया ताकि सनद रहे और वक्त जरूरत पर काम आवे तथा क्रेता ने भी अपने हस्ताक्षर करके बैनामें का निष्पादन किया।

<u>विवरण भूमि बिक्रीशुदा</u>

भूमिधरी **खसरा संख्या–236 क्षेत्रफल 0.1790 हेक्टयर स्थित ग्राम–धैला, परगना, तहसील व जिला लखनऊ।**

<u>चौहद्दी</u>

पूरब	:	भूमि खसरा संख्या–234
पश्चिम	:	भूमि खसरा संख्या–226
उत्तर	:	भूमि खसरा संख्या–235
दक्षिण	:	भूमि खसरा संख्या–237

<u>तफसील वसलूयाबी जरसमन</u>

1. रूपया 78,313/– प्राप्त द्वारा चेक संख्या–551313 दिनांकित 28.12.2006 जारी द्वारा बैंक आफ बड़ौदा, लखनऊ।

2. रूपया 78,313/– प्राप्त द्वारा चेक संख्या–551314 दिनांकित 28.12.2006 जारी द्वारा बैंक आफ बड़ौदा, लखनऊ।

3. रूपया 78,312/– प्राप्त द्वारा चेक संख्या–551315 दिनांकित 28.12.2006 जारी द्वारा बैंक आफ बड़ौदा, लखनऊ।

4. रूपया 78,312/– प्राप्त द्वारा चेक संख्या–551316 दिनांकित 28.12.2006 जारी द्वारा बैंक आफ बड़ौदा, लखनऊ।

5. रूपया 1,750/– दिनांक 28.12.2006 को नगद प्राप्त।

Arif Zarni Farooqi

विक्रय पत्र

315,000.00/	314,000.00	5,000.00	40	5,040.00	2,000
प्रतिफल	मालियत	फीस रजिस्ट्री	नकल व प्रति शुल्क	योग	शब्द लगभग

श्री /श्रीमती सुरेश उर्फ शेष
पुत्र / पत्नी श्री पूरन
पेशा कृषि
निवासी स्थायी मजरा मानखेडा ग्राम घैला, लखनऊ
अस्थायी पता
ने यह लेखपत्र इस कार्यालय दिनांक 25/1/2007 समय 4:38PM
बजे निबन्धन हेतु पेश किया।

ओ.पी सिंह
उप निबन्धक (द्वितीय)
लखनऊ
25/1/2007

निष्पादन लेखपत्र वाद सुनने व समझने मजमून व प्राप्त धनराशि रू. प्रलेखानुसार उक्त

विक्रेता

श्री/श्रीमती सुरेश उर्फ शेष
पुत्र/पत्नी श्री पूरन
पेशा कृषि
निवासी मजरा मानखेडा ग्राम घैला, लखनऊ

क्रेता

श्री/श्रीमती आरिफ जमीर फारूकी
पुत्र/पत्नी श्री जमीर मोहमम्द फारूकी
पेशा व्यापार
निवासी 24, न्यू बेरी रोड, लखनऊ

श्री/श्रीमती कंमल उर्फ गमल
पुत्र/पत्नी श्री पूरन
पेशा कृषि
निवासी मजरा मानखेडा ग्राम घैला, लखनऊ

श्री/श्रीमती अर्जुन
पुत्र/पत्नी श्री पूरन
पेशा कृषि
निवासी मजरा मानखेडा ग्राम घैला, लखनऊ

श्री/श्रीमती मंगाला
पुत्र/पत्नी श्री पूरन
पेशा गृहिणी
निवासी मजरा मानखेडा ग्राम घैला, लखनऊ

इस प्रकार कुल विक्रय मूल्य **रूपया 3,15,000/– (तीन लाख पन्द्रह हजार रूपया मात्र)** विक्रेतागण ने क्रेता से प्राप्त कर लिया है। अब कोई भी धनराशि विक्रीत भूमि से सम्बन्धित क्रेता से पाना शेष नहीं रहा।

लखनऊ

दिनांक : 25.01.2007

ह0 विक्रेतागण

1. गवाह : Rajnish Kr Sharma S/O V.N. Sharma

पता : Choupatian, Lko

ह0 क्रेता

Arif Zamin Farooqi

2. गवाह :

पता :

टाइपकर्ता

(सुनील श्रीवास्तव)
कलेक्ट्रेट, लखनऊ।

मसविदाकर्ता

(पी0एन0श्रीवास्तव)
एडवोकेट
हाईकोर्ट, लखनऊ।

ने निष्पादन स्वीकार किया ।
जिनकी पहचान श्री रजनीश शर्मा
पुत्र श्री वी.एन.शर्मा
पेशा नौकरी
निवासी चौपटिया,लखनऊ
व श्री आई के.श्रीवास्तव
पुत्र श्री
पेशा वकालत
निवासी कले.कोर्ट,लखनऊ
ने की ।
प्रत्यक्षतः भद्र साक्षियों के निशान अंगूठे नियमानुसार लिये गये हैं।

ओ.पी सिंह
उप निबन्धक (द्वितीय)
लखनऊ
25/1/2007

आराजी खसरा नम्बर 236
स्थित ग्राम धैला की दो सौ मीटर की त्रिज्या
में आने वाली सम्पत्ति:

पूरब: ख० स० 234

पश्चिम: ख० स० 226

उत्तर: ख० स० 235

दक्षिण: ख० स० 237

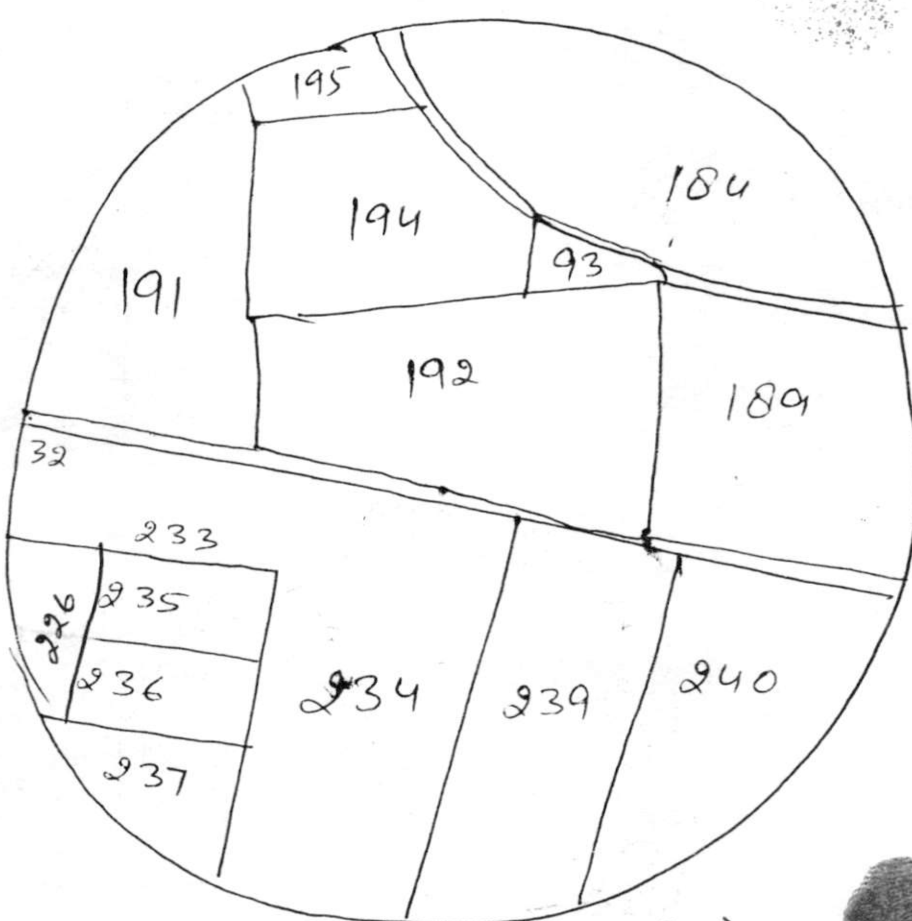

नि. अं. सुरेश

नि. अं. कमल

नि. अं. चन्द्रेश

नि. अं. गंगाराम

Arif Zari Fawzi

विक्रेता

Registration No 880 Year : 2007 Book No. 1

0101 **सुरेश उर्फ शेष**

पूरन

मजरा मानखेडा ग्राम घैला,लखनऊ

कृषि

0102 **कंमल उर्फ गमल**

पूरन

मजरा मानखेडा ग्राम घैला,लखनऊ

कृषि

0103 **अर्जुन**

पूरन

मजरा मानखेडा ग्राम घैला,लखनऊ

कृषि

0104 **मंगाला**

पूरन

मजरा मानखेडा ग्राम घैला,लखनऊ

गृहिणी

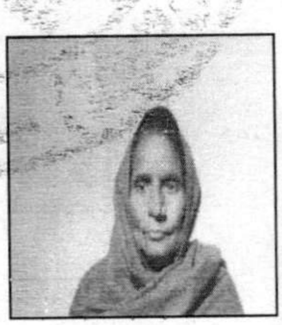

रजिस्ट्रेशन अधिनियम–1908 की धारा 32–ए, के अनुपालन हेतु फिंगर्स प्रिन्टस्

प्रस्तुतकर्ता/विक्रेता का नाम व पताः- सुरेश उर्फ शेष पुत्र स्व० पूरन
चौला, लखनऊ

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्हः-

दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्हः-

प्रस्तुतकर्ता/विक्रेता/क्रेता के हस्ताक्षर

विक्रेता/क्रेता का नाम व पताः- कमल उर्फ गमल पुत्र स्व० रान
चौला लखनऊ

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्हः-

दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्हः-

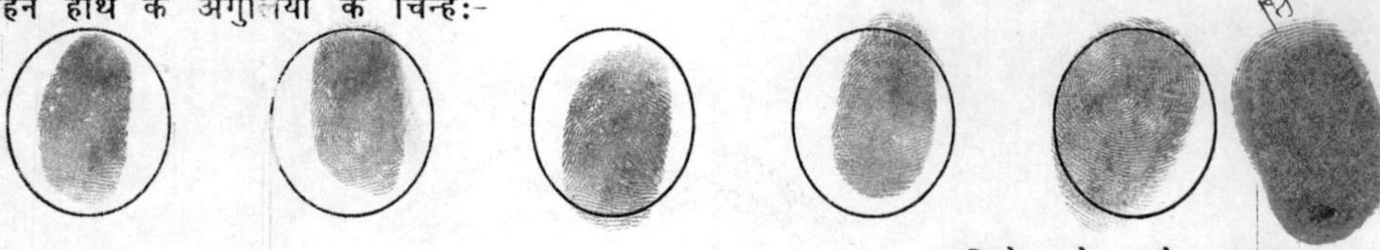

विक्रेता/क्रेता के हस्ताक्षर

विक्रेता/क्रेता का नाम व पताः- अर्जुन पुत्र स्व० पूरन
चौला – लखनऊ

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्हः-

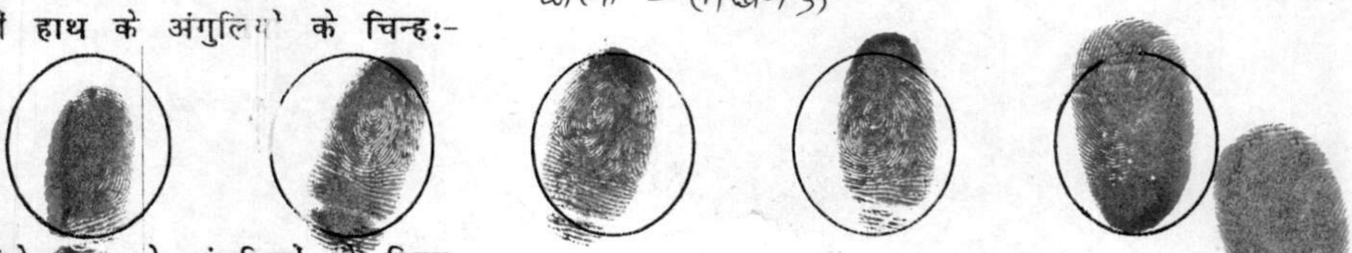

दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्हः-

विक्रेता/क्रेता के हस्ताक्षर

क्रेता

Registration No. 880 Year : 2007 Book No. 1

0201 **आरिफ जमीर फारूकी**

जमीर मोहमम्द फारूकी

24,न्यू बेरी रोड,लखनऊ

व्यापार

रजिस्ट्रेशन अधिनियम–1908 की धारा 32–ए, के अनुपालन हेतु फिंगर्स प्रिन्टस्

प्रस्तुतकर्ता/विक्रेता का नाम व पता:- श्रीमती मंगाला पत्नी स्व० प्रान
चौला, लखनऊ

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह:-

दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह:-

नि० मंगाला

आरिफ जमी फारूकी प्रस्तुतकर्ता/विक्रेता/क्रेता के हस्ताक्षर

विक्रेता/क्रेता का नाम व पता:- आरिफ जमी फारूकी पुत्र श्री जे०एम० फारूकी
25, न्यू बेरी रोड लखनऊ

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह:-

दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह:-

Arif Zami Farooqi

विक्रेता/क्रेता के हस्ताक्षर

विक्रेता/क्रेता का नाम व पता:-

बायें हाथ के अंगुलियों के चिन्ह:-

दाहिने हाथ के अंगुलियों के चिन्ह:-

विक्रेता/क्रेता के हस्ताक्षर

आज दिनांक **25/01/2007** को

वही सं **1** जिल्द सं **63[illegible]0**

पृष्ठ सं. **43** से **64** पर क्रमांक **880**

रजिस्ट्रीकृत किया गया ।

ओ.पी सिंह

उप निबन्धक (द्वितीय)

लखनऊ

25/1/2007